'जनजाति समुदाय ने जल, जंगल व जमीन के संतुलन से जीना सिखाया'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डूंगरपुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित किया

डूंगरपुर/जयपुर, 15 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनजाति समुदाय ने सदियों से प्रकृति, संस्कृति, साहस और सत्य के मार्ग को जीवंत रखा है। राजस्थान के हृदय में सबसे जीवंत और प्रखर धारा के रूप में हमारे आदिवासी भाई-बहन हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासियों का इतिहास संघर्ष से भरा है, लेकिन उससे भी अधिक गौरवपूर्ण है।

इन्होंने जल, जंगल और जमीन के साथ संतुलन बनाकर विश्व को जीना सिखाया है। त्योहारों, गीतों और परम्पराओं से राजस्थान की पहचान को समृद्ध बनाया है।

- भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयन्ती पर मु.मंत्री भजनलाल शर्मा ने किसानों और छात्र-छात्राओं को 204 करोड़ रूपए की राशि डीबीटी के द्वारा ट्राँसफर की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को डूंगरपुर में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने 87 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि जनजातियों के नृत्य में ताल ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों की कहानियां समाहित हैं। इसी प्रकार, त्योहारों में रंग ही नहीं, आदिवासी गौरव की चमक भी बसती है। राज्य सरकार इन परम्पराओं को संजोने के साथ ही, उन्हें दुनिया के सामने गर्व से पेश करेगी। राज्य सरकार जनजाति कल्याण के लिए संकल्पित है।

शर्मा शनिवार को डूंगरपुर के भोगीलाल राजकीय महाविद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

शर्मा ने कहा कि 15 नवंबर 1875 को झारखंड के उलिहातु गांव में जन्मे भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल बजा दिया। सामाजिक असमानता और अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचारों ने उनके अंतर्मन को विद्रोह से भर दिया।

केवल 15 वर्ष की आयु में उन्होंने अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई और 25 वर्ष की आयु में 'उलगुलान आंदोलन' का नेतृत्व कर पूरे देश में जनक्रांति की लौ जलाई।

शर्मा ने कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के 53 हजार 766 लाभार्थियों को फार्म पौंड, डिग्गी, पाइपलाइन, तारबंदी, कृषि यंत्र, गोवर्धन उर्वरक योजना एवं खेती के विभिन्न कार्यों के लिए और कृषि की पढ़ाई कर रहीं छात्राओं को प्रोत्साहन राशि के रूप में 200 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी की। उन्होंने 12 हजार से अधिक जनजाति छात्र-छात्राओं को पोशाक एवं स्टेशनरी के लिए 4 करोड़ 8 लाख रुपये की राशि भी हस्तान्तरित की।

पठानकोट का डॉक्टर दिल्ली हमले के आतंकियों से सम्पर्क में था

पठानकोट, 15 नवंबर। दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट के तार पठानकोट से भी जुड़ गए हैं। जानकारी के अनुसार, पठानकोट के एक अस्पताल में एनआईए की टीम की ओर से बीती रात इस मामले में जुड़े एक मुस्लिम डॉक्टर को राउंड अप किया गया है।

सूत्रों से पता चला है कि उक्त डॉक्टर की बात दिल्ली में हुए आतंकवादी हमले के आरोपियों के साथ होती थी। सूत्रों के अनुसार, एसएसपी पठानकोट दलजिंदर सिंह ढिल्लों तथा थाना प्रभारी मामून प्रीति ने, घटना की पुष्टि के लिए बार-बार फोन करने के बावजूद, फोन नहीं उठाया। गिरफ्तार किए गए डॉक्टर की पहचान रईस अहमद भट निवासी अनंतनाग जम्मू-कश्मीर के रूप में हुई है। अहमद भट्ट 4 साल से व्हाइट मेडिकल कॉलेज पठानकोट में एसोसिएट प्रोफेसर सर्जरी डिपार्टमेंट का हेड था।

- डॉ. रईस अहमद भट को पुलिस ने जांच के लिये राउण्ड अप किया।

बिहार चुनाव के बाद चुनाव आयोग ने बारह राज्यों में "सर" प्रक्रिया आरंभ कर दी आज से

इन बारह राज्यों में राजस्थान भी शामिल है तथा चुनाव आयोग 4 दिसम्बर से पहले यह प्रक्रिया पूरी करने का इरादा रखता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। बिहार चुनाव के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेनिसव रिवीजन- एसआईआर) के आधार पर पूरा हो जाने के बाद, चुनाव आयोग ने अब एसआईआर का दूसरा चरण शुरु कर दिया है। यह अभियान राजस्थान सहित, 12 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में चल रहा है और 4 दिसंबर तक पूरा हो जाएगा।

एक महीने तक चलने वाली इस गणना प्रक्रिया में उन मतदाताओं को शामिल किया जाएगा, जो 27 अक्टूबर 2025 तक पात्र हैं। इस प्रक्रिया में मतदाताओं के लिए विशेष गणना फ़ॉर्म की छपाई और वितरण भी शामिल है।

राजस्थान में कुल 5,48,84,479 मतदाता हैं, जिनके लिए एसआईआर जारी किया जाएगा। राज्य में कुल 1,01,333 बीएलओ (बीएलओ) हैं, जबकि 5,46,56,215 गणना फ़ॉर्म छापे जा चुके हैं और 5,34,11,991 फ़ॉर्म वितरित किए जा चुके हैं।

राजस्थान की तरह, जिन अन्य राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में यह प्रक्रिया 4 नवंबर से शुरू होकर 4 दिसंबर तक चलेगी, वे हैं: पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी, मध्य प्रदेश, लक्षद्वीप, केरल, गुजरात, गोवा, छत्तीसगढ़ और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह।

इस चरण में शामिल 12 राज्यों में कुल 50,99,72,687 मतदाताओं को कवर किया जाएगा, जबकि 48,67,37,064 मतदाताओं को उनके गणना फ़ॉर्म वितरित किए जाएंगे।

'विवाहित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आगे जारी नहीं रखा जाए। अदालत ने कहा कि ऐसा मुकदमा पिता-पुत्र के पवित्र रिश्ते पर कलंक है और समाज के लिए भी दुर्भाग्यपूर्ण है।

दिल्ली बम ब्लास्ट में पुलिस को एक दर्जन डॉक्टरों की तलाश

डॉ. मुजम्मिल के मोबाइल के कॉल डिटेल रिकॉर्ड में डॉक्टरों के बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ

नई दिल्ली, 15 नवंबर। दिल्ली में लाल किले के पास हाल ही में हुए बम धमाके के मामले में जांच एजेंसियों को बड़ा सुराग मिला है। गिरफ्तार संदिग्ध डॉक्टरों के साथ-साथ डॉक्टर मुजम्मिल के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल रिकॉर्ड, यानी सीडीआर से एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। सूत्रों के अनुसार, एजेंसियों ने डॉक्टरों की एक लंबी लिस्ट तैयार की है। इसमें अल फलाह यूनिवर्सिटी से पढ़े और वहां काम करने वाले डॉक्टरों की संख्या ज्यादा है। इनमें से कई डॉक्टरों के फोन उमर के बम धमाके के बाद से बंद हैं, जिन्हें जांच एजेंसियां ट्रेस कर रही हैं। सूत्र बताते हैं कि करीब एक दर्जन से ज्यादा डॉक्टरों की तलाश की जा रही है, जो जैश से जुड़े इन संदिग्धों के संपर्क में थे।

दिल्ली में लाल किले के बाहर हुए ब्लास्ट की जांच अब हरियाणा के नूंह तक पहुंच गई है। नूंह के अब तक 5 लोग हिरासत में लिए जा चुके हैं, इनमें 2 डॉक्टर और एक एमबीबीएस स्टूडेंट है। तीनों का फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी से नाता है। फिरोजपुर झिरका से डॉ. मोहम्मद, नूंह शहर से डॉक्टर रिहान और पुन्हाना के सुनहेड़ा गांव से डॉ. मुस्तकीम को अरेस्ट किया गया है।

- अल फलाह युनिवर्सिटी की जमीन की गहन जांच चल रही है। यह देखा जा रहा है कि 78 एकड़ भूमि में से कितनी इस्तेमाल हो रही है और कितनी खाली है।

इसी कड़ी में फरीदाबाद जिला प्रशासन ने अल फलाह यूनिवर्सिटी की जमीन की गहन जांच के आदेश दिए हैं। धौज गांव में बनी यूनिवर्सिटी की जमीन करीब 78 एकड़ में फैली हुई है। अब प्रशासन यह पता लगाने में जुटा है कि इस जमीन का कितना हिस्सा इस्तेमाल हो रहा है और कितना खाली पड़ा है। इसके लिए पटवारी यूनिवर्सिटी की जमीन की पैमाइश कर रहे हैं। जमीन की लंबाई, चौड़ाई और जिस जगह पर इमारतें बनी हैं, उसका पूरा हिसाब-किताब तैयार किया जा रहा है। सिर्फ जमीन की माप ही नहीं, बल्कि प्रशासन यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि ये जमीन किससे और किस कीमत पर खरीदी गई थी। यूनिवर्सिटी ने जमीन खरीदने में किन लोगों को पैसे दिए और कितने दिए, इसका भी पूरा रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है।

किसी भी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजद का सबसे अधिक वोट शेयर यह दिखाता है कि कई सीटों पर उसने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन जीत की रेखा पार नहीं कर सका। यानी राजद को मिले वोटों से उसका वोट शेयर तो बढ़ गया, लेकिन ये वोट सीटों में बदल नहीं पाए। दूसरे शब्दों में, राजद ने अपनी ताकत का अधिक आकलन कर लिया।

2010 के बाद से (जब उसने 22 सीटें जीती थीं) अपने सबसे खराब प्रदर्शन से जूझ रहे राजद के सामने सबसे बड़ी चुनौती है: लालू यादव द्वारा बनाए गए मुस्लिम-यादव (एम.वाय.) वोट बैंक में तीसरा सामाजिक समूह जोड़ना। लेकिन इस दिशा में काम करने के बजाय, यह पार्टी परिवार के भीतर उत्तराधिकार की लड़ाई में उलझा हुई है। तेजस्वी के बड़े भाई तेज प्रताप पहले ही बागी हो चुके हैं और बहन रोहिणी आचार्य अब राजनीति छोड़कर परिवार से दूर हो चुकी हैं। ऐसी अंदरूनी कलह पार्टी को और कमजोर कर सकती है।

पिछले कुछ वर्षों में, लालू प्रसाद के पुराने सहयोगी या तो गुजर गए हैं या हाशिये पर चले गए हैं। इसलिए माना जा रहा है कि राजद अपनी वैचारिक दिशा से भटक गई है और बिना पतवार के बह रही है।

लालू की पुत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आचार्य की यह पोस्ट पहले से ही उथल-पुथल झेल रहे परिवार और पार्टी में और अधिक हलचल पैदा कर देगी। राजद पहले ही लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी से निकाल चुकी है।

तेज प्रताप ने नई पार्टी, "जनशक्ति जनता दल" बनाई थी, जिसने चुनाव अकेले लड़ा और राघोपुर विधानसभा सीट से तेजस्वी के खिलाफ भी उम्मीदवार उतारा। पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली, यहाँ तक कि महुआ सीट भी नहीं, जहाँ से तेज प्रताप ने चुनाव लड़ा था। आचार्य, जो कथित रूप से तेज प्रताप के निष्कासन से नाखुश थीं, बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भी कई बार पार्टी के प्रति अपनी नाराज़गी जताती रही थीं, हालांकि कई बार उन्होंने मेल-मिलाप वाले संदेश भी पोस्ट किए।

सितंबर के आसपास, आचार्य ने सभी राजनीतिक नेताओं और अपने परिवारजनों को सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया था। इसके बाद उन्होंने एक पोस्ट किया था कि उनके बारे में गलत बातें फैलाई जा रही हैं।

उन्होंने लिखा था: "मैं उन सभी को खुली चुनौती देती हूँ, जिनके मन में गलत विचार हैं और जो ऐसे लोगों को बढ़ावा देते हैं। अगर कोई यह साबित कर दे कि मैंने कभी भी अपने लिए या किसी और के लिए किसी से कोई अनुरोध किया है, या यह दावा झूठ है कि मैंने अपने सम्मानित पिता को किडनी दान की, तो मैं राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन से सन्यास ले लूंगी।"

उन्होंने आगे कहा: "अगर आरोप लगाने वाले अपनी झूठी बातें और प्रचार साबित नहीं कर सकते, तो उनमें इतनी हिम्मत हो कि वे मुझसे और इस देश की हर मां, बहन और बेटी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें और कसम खाएं कि वे आगे ऐसी गलत बातें नहीं फैलाएंगे।"

तथापि, 9 नवंबर को, मतदान के दो चरणों के बीच, आचार्य ने अपने भाई तेजस्वी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं और उनकी नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा की। उन्होंने पोस्ट में लिखा: "उम्र में युवा, पर दिल से सच्चे और अपने वचन के पक्के। "कर्मवीर", हमारे कर्तव्यनिष्ठ भाई तेजस्वी। आपके सभी सपने पूरे हों, बिहार के युवाओं और पूरे प्रदेश के सपनों को साकार करें, और आपका जीवन हमेशा खुशियों से भरा रहे।"

उनकी हालिया अन्य पोस्ट भी पार्टी के समर्थन में थीं।

आरजेडी 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में सिर्फ 25 सीटें जीत सकी, जबकि पूरा महागठबंधन 35 सीटों पर सिमट गया। दूसरी ओर, एनडीए ने 202 सीटों पर शानदार जीत हासिल की।

चांदनी चौक मस्जिद से तब्लीगी जमात के सदस्यों को हिरासत में लिया

नयी दिल्ली, 15 नवंबर। राष्ट्रीय राजधानी में लाल किला विस्फोट मामले में जाँच एजेंसियों ने चांदनी चौक स्थित फैज़ इलाही मस्जिद से तब्लीगी जमात के कई सदस्यों को हिरासत में लिया है।

कथित तौर पर यह मस्जिद वही है, जहाँ कथित आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर नबी ठहरा था।

सूत्रों के मुताबिक, संदिग्ध डॉ. उमर की मौजूदगी के कारण जमात के सदस्यों से पूछताछ की गई , हालांकि पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। मस्जिद प्रबंधन समिति से आगंतुकों के लिए रखे गए रिकॉर्ड का विवरण देने को कहा गया।

दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने मामले में एक नयी प्राथमिकी दर्ज की है , हालांकि मुख्य जाँच राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी गई है। विशेष प्रकोष्ठ ने यह प्राथमिकी साजिश के पहलू की जाँच शुरू करने के लिए दर्ज की है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने हरियाणा के धौज और नूंह इलाकों और राष्ट्रीय राजधानी से सटे अन्य इलाकों में रात भर छापेमारी की, जिसमें एनआईए के अधिकारी भी शामिल थे। इस कार्रवाई के दौरान, फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय के तीन डॉक्टरों को कथित तौर पर हिरासत में लिया गया है।

पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की है कि हिरासत में लिए गए डॉक्टरों में से दो के नाम मोहम्मद और मुस्तकीम हैं, जिन्हें नूंह इलाके से हिरासत में लिया गया था।

- इसी मस्जिद में लाल किले का आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर नबी ठहरा था
- सूत्रों के अनुसार, जमात के सदस्यों से डॉ. उमर की मौजदगी के कारण पूछताछ की गई तथा पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। मस्जिद प्रबंधन समिति से आंगतुकों का रिकॉर्ड देने के लिये कहा गया है।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा और जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि यदि पुलिस ठगी की गई राशि की बरामदगी कर लेती है तो वह बैंक लेने के लिए अधिकृत है। उपभोक्ता राकेश तोतूका की ओर से अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने बताया कि 11 फरवरी, 2022 की शाम 6.39 बजे से 12 फरवरी, 2022 को 1.30 एएम के बीच 14 बार में याचिकाकर्ता के बैंक खाते से 58.93 लाख रुपए ठगी के जरिए निकले थे। बैंक ने 9 बार ओटीपी भेजने के आधार पर 15.60 लाख रुपए ही लौटाने की बात कही। इसे चुनौती देते हुए पीड़ित की ओर से कहा गया कि आरबीआई के परिपत्र के अनुसार, बैंक को ठगी गई पूरी राशि पीड़ित को अदा करनी चाहिए।

भाजपा ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहुँचा है और यह गंभीर अनुशासनहीनता है। पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री को सात दिन का समय दिया गया है कि वे बताएं कि उन्हें पार्टी से निष्कासित क्यों न किया जाए।

पत्र में कहा गया: "श्री राज कुमार सिंह जी, पूर्व सांसद, आरा, आपकी गतिविधियाँ विरोधी पार्टी और अनुशासनहीन व्यवहार की श्रेणी में आती हैं। इससे संगठन को नुकसान पहुँचा है और पार्टी ने इसे गंभीरता से लिया है। इसलिए, निर्देशानुसार, आपको पार्टी से निलंबित किया जाता है और यह "कारण बताओ नोटिस" जारी किया जाता है कि आपको पार्टी से निष्कासित क्यों न कर दिया जाए।

आर.के. सिंह, जो पूर्व आईएएस अधिकारी और कभी बिहार में पार्टी के प्रमुख चेहरों में से एक थे, पिछले कई महीनों से भाजपा के राज्य नेतृत्व की खुलकर आलोचना कर रहे थे। उन्होंने बार-बार उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को निशाना बनाया, जद (यू) नेता अनंत सिंह के प्रभाव पर सवाल उठाए और सरकार के बिजली क्षेत्र से जुड़े समझौतों पर भी चिंता जताई।

इस महीने की शुरुआत में, सिंह ने एक प्रस्तावित बिजली परियोजना से जुड़े 62,000 करोड़ रुपये के कथित भ्रष्टाचार से सम्बंधित कई दस्तावेज ऑनलाइन साझा किए थे।

उन्होंने चुनाव आयोग पर भी आरोप लगाया था कि वह चुनाव के दौरान आचार संहिता लागू कराने में नाकाम रहा है। सिंह ने कहा था, चुनाव आयोग को मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना चाहिए। यह चुनाव आयोग और जिला प्रशासन, दोनों की नाकामी है। चुनाव के समय यह बहुत चिंता की बात है और स्वीकार्य नहीं है।

आर.के. सिंह ने केन्द्र के गृह सचिव पद से सेवानिवृत्त होने के बाद, 2014 में भाजपा जॉइन की थी। इसके बाद उन्होंने आरा लोकसभा सीट से दो बार जीत हासिल की और ऊर्जा व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) के रूप में कार्य किया।

लेकिन 2024 का लोकसभा चुनाव हारने के बाद, सिंह भाजपा की बिहार इकाई के प्रति और अधिक आलोचनात्मक होते गए और कई बार वरिष्ठ नेताओं से उनके टकराव की स्थिति बन गई।

अब पार्टी में उनका भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि वे अनुशासन समिति को क्या स्पष्टीकरण देते हैं।

अंदर ही अंदर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ बैठक की और एनडीए की भारी जीत के लिए वोट चोरी को जिम्मेदार ठहराया।

हार के बाद उन्होंने आज लालू यादव, तेजस्वी, सैनी और तमाम लोगों को फोन करके उन्हें समझाने की कोशिश की कि वोट चोरी ही वह मुद्दा है, जिसे दुनिया के सामने उठाना चाहिए।

लेकिन लगता है कि आत्मचिंतन, विश्लेषण, जिम्मेदारी तय करना या जवाबदेही, राहुल गांधी के शब्दकोष का हिस्सा नहीं हैं।

पार्टी के अंदर, पार्टी को चलाने के तरीके को लेकर नाराज़गी गहरी होती जा रही है। कैसे राहुल ने देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी के सक्रिय व अनुभवी नेताओं को किनारे कर दिया और उनकी जगह झोला ढोने वाले पुरुषों, महिलाओं, पूर्व आई.ए.एस. अधिकारियों और कॉरपोरेट पृष्ठभूमि वाले लोगों को पार्टी चलाने की जिम्मेदारी दे दी। इनमें से ज़्यादातर प्रयोग नाकाम रहे और पार्टी लगातार केन्द्र और राज्यों, दोनों जगह चुनाव हारती गई।

हार-जीत राजनीति का हिस्सा हैं, लेकिन भाजपा के हाथों पूर्ण विनाश नहीं, जो इस बार बिहार में हुआ।

चुनाव से ठीक पहले राहुल की नई टीम ने ओ.बी.सी. (जिस पर राहुल सबसे अधिक जोर देते रहे हैं) से फोकस हटाकर ई.बी.सी. (इकोनॉमिकली बैकवर्ड क्लास) पर शिफ्ट कर दिया, जिससे पार्टी का संदेश कमजोर हो गया।

राहुल ने जातिगत राजनीति या अपने दृष्टिकोण को संतुलित या परिष्कृत करने से इनकार कर दिया और उच्च जातियों को लगभग पूरी तरह नज़रअंदाज़ कर दिया गया।

टिकट अंतिम समय तक घोषित नहीं किए गए, और यह आरोप भी लगे कि टिकटों के लिए उचित जांच नहीं की गई और टिकट-वितरण में सौदेबाजी की गई। अल्लुवेरा ने राहुल को आश्वस्त कर दिया था कि तेजस्वी यादव के साथ कड़ा रुख अपनाया जाए और उन्हें मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित न किया जाए। वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि यदि राहुल इसी तरह चलते रहे तो कांग्रेस पार्टी मोदी-शाह की राजनीतिक मशीनरी का मुकाबला कभी नहीं कर पाएगी और कई अच्छे नेता पार्टी छोड़ने पर गंभीरता से विचार करेंगे।

आज भी, बिहार में हार के बाद भी, राहुल और उनकी टीम यह स्वीकार करने को तैयार नहीं कि वे चुनाव हार गए हैं। उनका कहना है कि भाजपा और चुनाव आयोग ने लोकतंत्र और जनता, दोनों को धोखा दिया है और उन्हें एकजुट होकर इससे लड़ना चाहिए।

अब पार्टी के भीतर यह सवाल उठ रहा है कि क्या राहुल गांधी ने इन निरंतर हारों से कुछ भी सीखा है?

या फिर पार्टी को नेतृत्व बदलने पर विचार करना चाहिए और एक अनिच्छुक व अंशकालिक नेता को हटाना चाहिए, जिसके राजनीतिक "प्रयोगों" ने कांग्रेस को विनाश के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है।

कश्मीर के नौगाम थाने में विस्फोट में 9 मरे, 32 घायल

फरीदाबाद में बरामद विस्फोटक की फोरेंसिक जांच के लिये नमूना लेते समय आकस्मिक विस्फोट हुआ

श्रीनगर, 15 नवंबर। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने शनिवार को कहा कि नौगाम थाने में विस्फोट एक आकस्मिक घटना है, जिसमें नौ लोग मारे गए और 32 घायल हुए हैं। उन्होंने इस घटना में किसी भी आतंकी पहलू से इनकार किया है।

प्रभात ने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कारणों की जांच की जा रही है। उन्होंने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि नौगाम थाना में दर्ज एक प्राथमिकी की जांच के दौरान, नौ और 10 नवंबर को हरियाणा के फरीदाबाद से भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ, रसायन और अभिकर्मक भी बरामद किए गए थे।

डीजीपी ने कहा, "इन्हें अन्य बरामद सामग्रियों की तरह, नौगाम थाने के खुले क्षेत्र में सुरक्षित रूप से ले जाया गया और रख दिया गया। निर्धारित प्रक्रिया के तहत, बरामदगी के नमूनों को फोरेंसिक और रासायनिक जांच के लिए भेजा जाना था।"

उन्होंने कहा कि बरामदगी की विशाल प्रकृति के कारण यह प्रक्रिया पिछले दो दिनों, यानी कल और परसों फोरेंसिक टीम द्वारा चलायी जा रही थी। उन्होंने कहा, बरामदगी और नमूना लेने की प्रक्रिया की अस्थिर और संवेदनशील प्रकृति के कारण एफएसएल टीम द्वारा अत्यंत सावधानी के साथ काम किया जा रहा था। हालांकि, दुर्भाग्यवश इस दौरान कल रात लगभग 11.20 बजे एक आकस्मिक विस्फोट हुआ। इस घटना के कारण के बारे में कोई अन्य अटकलें लगाना अनावश्यक है।

उन्होंने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में नौ लोगों की जान चली गई है। मारे गए लोगों में राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) का एक कर्मी, एफएसएल के तीन कर्मी, जम्मू-कश्मीर पुलिस की अपराध शाखा के दो फ़ोटोग्राफ़र, मजिस्ट्रेट की टीम में शामिल दो राजस्व अधिकारी और टीम से जुड़ा एक दर्जी शामिल हैं।

प्रभात ने कहा, "इसके अलावा 27 पुलिसकर्मी, दो राजस्व अधिकारी और आस-पास के इलाकों के तीन नागरिक घायल हुए हैं।" उन्होंने कहा कि घायलों को तुरंत नज़दीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

डीजीपी ने कहा, थाने की इमारत को बहुत नुकसान पहुंचा है। साथ ही आस-पास की इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। इस नुकसान की सीमा का पता लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

- जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने कहा कि अत्यंत सावधानी के साथ काम करते समय दुर्भाग्यवश आकस्मिक विस्फोट हुआ। इस घटना के कारण के बारे में कोई अन्य अटकलें लगाना अनावश्यक है।

डॉ. शाहीन व डॉ. मुजम्मिल देश छोड़कर भागाने की फिराक में थे

फरीदाबाद, 15 नवंबर। दिल्ली में हुए आत्मघाती हमले का षड्यंत्र रचने वाली अल फलाह यूनिवर्सिटी में कार्यरत डॉ. शाहीन और डॉ मुजम्मिल की योजना देश छोड़कर भागने की थी। जांच में कुछ ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जिनसे सिद्ध हो रहा है कि डॉ. शाहीन ने भारत छोड़ अरब जाने की तैयारी पूरी कर ली थी।

इस संबंध में जानकारी मिली है कि धौज थाना क्षेत्र में पासपोर्ट वेरिफिकेशन के लिए आवेदन आया था। हालांकि, वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी होने के पहले ही आतंकी डॉ. मुजम्मिल और डॉ. शाहीन पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

बता दें कि जैश की महिला विंग की प्रमुख के रूप में सामने आई और अब गिरफ्तार हो चुकी सफेदपोश आतंकी डॉ. शाहीन खाड़ी देश भागने की फिराक में थी। मगर पासपोर्ट वैरिफिकेशन की प्रक्रिया में कुछ देरी हो गई। इस दौरान डॉ. मुजम्मिल व डॉ. शाहीन की गिरफ्तारी हो गई और प्लान धरा का धरा रह गया।

- दिल्ली के आत्मघाती हमले का षड्यंत्र रचने वाली शाहीन के पासपोर्ट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी होने से पहले पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार अक्टूबर माह में अल फलाह यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर डॉ. शाहीन सईद ने पासपोर्ट बनवाने के लिए आवेदन किया था। आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी होनी थी। अल फलाह यूनिवर्सिटी धौज थाना क्षेत्र के अंतर्गत आती है। डॉ. शाहीन ने आवेदन में पता यूनिवर्सिटी का ही दिया था। इसलिए धौज थाना पुलिस यूनिवर्सिटी के हॉस्टल के टावर संख्या 15 के फ्लैट नंबर 32 में पहुंची थी।

डॉ. आदिल का भाई विस्फोटक उपकरण के लिये कच्चा माल इकट्ठा करता था

नयी दिल्ली, 15 नवंबर। राष्ट्रीय राजधानी के लाल किला विस्फोट मामले की जांच में डा. आदिल अहमद के भाई मुजफ्फर का नाम भी सामने आया है, जो दुबई से विस्फोटक उपकरण के लिए कच्चा माल इकट्ठा करने में सक्रिय था।

- सुरक्षा एजेंसी के अनुसार मुज़फ्फर पांच साल से सक्रिय था तथा दुबई से काम करता था।

घटना की जांच कर रही सुरक्षा एजेंसी के सूत्रों ने कहा, "वह पांच साल से सक्रिय था। हमारी जांच से पता चला है कि मुजफ्फर दुबई से काम कर रहा था।" मुजफ्फर पर विस्फोटक उपकरण के लिए कच्चा माल इकट्ठा करने का आरोप है।

सूत्र ने कहा, "वह (मुजफ्फर) आतंकवादियों के लिए सेतु का काम कर रहा था। पाकिस्तान में आतंकवादियों से संपर्क कर रहा था और भारत में अपने गुर्गों को निर्देश दे रहा था।" डा. शाहीन विदेश यात्रा करना चाहती थीं। सूत्रों ने बताया कि डा. शाहीन विदेश यात्रा की योजना बना रही थीं। वह गिरफ्तार डॉक्टरों में से एक है। वह जैश-ए-मोहम्मद के आकाओं के सीधे संपर्क में थी। डा. शाहीन कथित तौर पर युवा डॉक्टरों को कट्टरपंथी बना रही थी। जांच अधिकारी ने कहा, वह धर्मांतरण का रैकेट भी चला रही थी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908